भारतीय विमानपत्तान प्राधिकरण

जनसंपर्क विभाग

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

विषय:तीव्र परिवर्तनशील विश्वण में भा वि प्रा को शीर्ष पर बनाए रखने के लिए मूलभूत परिवर्तन लागू करने हेतु बड़ी संख्याण में व्यभवसायिकों के प्रशिक्षण <u>भ्भां वि प्रा का निवेश ।</u>

<u>नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2015</u>- विमानन क्षेत्र में विमान यातायात में अविश्व सनीय वृद्धि हुई है तथा हवाई अड्डा व वायु क्षेत्र अवसंरचना क्षमता कई गुना बढ़ गई है । भारत अंतरराष्ट्रीय विमानन के लिए विकासशील बाजार और प्रमुख वैश्विक विमानन शक्तियों के समुदाय में प्रमुख भागीदार दोनों ही भूमिकाओं में एक महत्वपवपूर्ण देश के रूप में उभर रहा है । भारत के विमानन विकास को देश के लिए एक बड़े अवसर के रूप में प्रतिध्वहनित किया जा सकता है । भा वि प्रा में क्षमता तथा कुशलता को विकासित करने के लिए तथा तीवता से परिवर्तनशील विश्वव में भा वि प्रा को बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में वयवसायिकों को प्रशिक्षण देने में निवेश करने हेतु भा वि प्रा ने आई ए टी ए के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताकक्षरित किया है । इस समझौता ज्ञापन पर दिनांक 9-2-2015 को श्री अनुज अग्रवाल, सदस्या (मा.सं), भा वि प्रा तथा श्री विक्टधर डी बरेना, निदेशक, आई टी डी आई , आई ए टी ए ने श्री आर.के. श्रीवास्त,व , आई ए एस , अध्याक्ष, भा वि प्रा तथा भा वि प्रा व आई ए टी ए के अन्यश वरिष्ठक अधिकारियों की उपस्थिति में हस्तादक्षर किए । श्री आर.के.श्रीवास्तशव अध्यिक्ष, भा वि प्रा ने जोर देकर कहा कि देश में सबसे बड़ा हवाई अड्डा प्रचालन होने के नाते हमें भा वि प्रा कार्मिकों को आवश्यिक प्रशिक्षण देने की आवश्यअकता है और हवाई अड्डा तथा ए एन एस व्यकवसायिकों के ऐसे समूह के निर्माण तथा विस्ताआर में निवेश की आवश्य्कता है जिन्हेंर सुरक्षा , प्रचालन, उदारीकरण, विमानन कानून, आर्थिक व पर्यावरणीय परिवर्तन व अन्यर क्षेत्रों से जुड़े महत्व पूर्ण वैश्विक विमानन मुद्दों के विषय में पूरी जानकारी हो ।

जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी

सं. 64/2014-15

9 फरवरी, 2015 को भा वि प्रा तथा आई ए टी ए के मध्य- समझौता ज्ञापन पर श्री अनुज अग्रवाल, सदस्य- (मा.सं.) व श्री विक्टोर डी बरेना, निदेशक, आई टी डी आई, आई ए टी ए द्वारा हस्ता क्षर किए जाने के दौरान श्री आर. के. श्रीवास्तरव , आई ए एस , अध्यएक्ष भारतीय विमानपत्तौन प्राधिकरण (केन्द्री में) ने भा वि प्रा कार्मिकों को आवश्य क प्रशिक्षण देने व हवाई अड्डा और ए एन एस व्यशवसायिकों के ऐसे समूह के निर्माण व विस्ताि र में निवेश पर बल दिया जिन्हें हवाई अड्डा प्रचालन व प्रबंधन के विभिन्न् क्षेत्रों से जुड़े महत्व्पूर्ण वैश्विक विमानन मुद्दों की पूरी जानकारी हो ताकि विमानन उधोग की आगामी चुनौतियों का सामना किया जा सके।